

हिन्दी अभ्यास-1 चिंटूजी के बहाने

1. कविता की इन आधूरी पंक्तियों को पूरा करें।

(क) चिंटूजी नौ बड़े आलसी
कुछ भी करने से लचके थे।
कहे जब बौड़ काम को,
बहाने खूब बनाते थे।

(ख) शब्दों के साथ जाओ रोंर पर
पों धे लगा हरी सन्धियाँ खाओ।
जब हुआ बहानों का काम तमाम।
देखते रह गए चिंटूराम।

2. सही वाक्यों के सामने (✓) और गलत वाक्यों के सामने (X) का निशान लगाएँ।

(क) चिंटूजी सूरज के उठने से पहले ही उठ जाते थे। (X)

(ख) चिंटूजी की कॉपी में कुछ नहीं लिखा था। (✓)

(ग) हमें हरी सन्धियाँ खानी चाहिए। (✓)

(घ) चिंटूजी हर बात में बहाने बनाते थे। (✓)

3. कविता में आरु इन शब्दों को देखें।

काम - शाम, खोया - खाया

(क) जाओ - आओ खाओ

(ख) बनाते - चलाते कुमाते

(ग) सैर - खैर - पैर

(घ) कठली - बहली, चली

(ङ) शाम - काम - धाम

(च) धूमने - झूमने - चूमने

(4) पंक्तियों में दिए गए रेखांकित शब्दों के विरोध शब्द लिखें।

माँ ने बोला, सुरज निकला धुसा

उब - उम भी उठ जिआ बैठ

"मुझसे पहले था वह सोया जागा

इसलिए मुझे न जागो, उठो।

पहले उठना न बड़ा काम।" बैठना।

झट-से बोले चिंटूनाम।

5. प्रश्नों के उत्तर :-

① माँ ने चिंटूजी से क्या खाने को कहा?
उत्तर: माँ ने चिंटूजी से हरी सब्जियाँ खाने को कहा।

(2) चिंटूजी के बहाने कविता को रुक नया नाम दें और उसका कारण भी लिखें।
उत्तर: "चिंटूजी के बहाने" कविता को रुक नया नाम "माहसी" और उसका कारण था। हर बीटे

(Saathi)

Date _____
सो होते लोगों पर कहाना बनाना ।

(3) चिंटूजी सब उठते थे !
उत्तर) चिंटूजी सुबह के उठने के बाद में उठते थे ।

(4) चिंटूजी डा बॉपी के साथ रहना था !
उत्तर) चिंटूजी डा बॉपी खाती रहना था ।